उत्तम सामरी

बीमार, दु:खी और सताए हुओ की सेवा करना

जो बच्चो पढ़ाते है वह सी 4 b का अध्ययन करें।

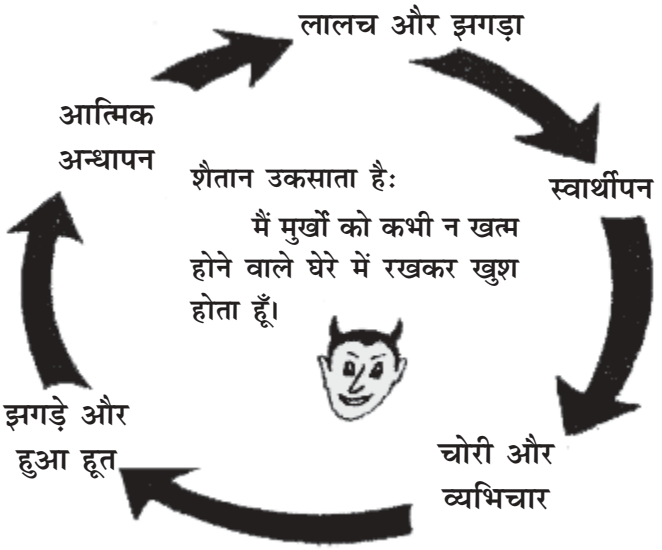

बहुत से लोग गरीब और परेशान क्यों होते हैं। एक कारण है कि बुरी आत्मा धीरे से उनके काम में झूठ बोलता है। अगर मनुष्य पाप करना चाहता है तो वह इस झूठ पर विश्वास करेगा। बुरी आत्मा हमको लालची बनाती है। व्याभिचारी और बेइमान भी। लेकिन यीशु लोगो को इस पाप और झूठ से आजाद कर सकता है। वह हमारे दिलों को बदलकर हमें नई आशाएँ दे सकता है जो पाप नहीं करना चाहती।

1. अपने दिल और दिमाग को प्रभु के वचन से तैयार करें।

इस अध्ययन से हमारा तात्पर्य है कि जरूरतमन्दो की सेवा करें। परमेश्वर से माँगे कि वह आपको और आपके झुण्ड को जरूरतमन्दो को सच्चा प्रेम प्रदान करने की शक्ति दें। प्रेम जो अच्छे काम उत्पन्न करता है।

लूका अध्याय 10:25–37 में ढूंढें कि कैसे एक चिन्ता करने वाले सामरी ने व्यवहारिक प्रेम दिखाया।

(उत्तर: सामरी ने अपना चिन्तामय प्रेम घायल यात्री की रक्षा करके दिखाया। जो विश्वासी इस तरह अपना विश्वास दिखाते है, यीशु उनको आत्मिक जीवन देने का वादा करता है।)

उनसे यीशु क्या वायदा करता है जो ऐसे काम करते है।

(उत्तर: लूका अध्याय 10:25 की पद 47 से तुलना कीजिए)

1 यूहन्ना 3:17–18 **याद करें।**

2. अपने सहकर्मी के साथ वह गतिविधिया तैयार करो जो आपके लोग अगले सप्ताह करेंगे।

अपनी योजना कागज पर लिखिए और आने वाली प्रार्थना सभा में इसकी घोषणा कीजिए। अपनी योजना विशेष होनी चाहिए। अपनी योजना में बहुत ही जरूरतमन्दों को ढूढिएं और गलतियो 6:10 की तरह

उनकी सेवा कीजिए। "इसलिए जहाँ तक अवसर मिले हम सब के साथ भलाई करें, विशेष करके विश्वासी भाईयो के साथ"।

3. सहकर्मी के साथ आने वाली प्रार्थनाओं का समय निर्धारित करें।

प्रार्थना करें उन लोगो के लिए जो समाज में बहुत दु:खी है।

परमेश्वर की स्तुति करो आत्मिक विजय के लिए। गवाही कराए तथा पिछले सप्ताह का हिसाब मॉगे।

लूका 10:25-37 का वर्णन करें। एक सहायक तैयार करे जो यीशु के अच्छे कामों की चर्चा अच्छे सामरी से करें। सबसे कहो कि पहले ध्यान से सुने फिर दो बाते मालुम करें:

1) दयालु सामरी ने किस तरह व्यवहारिक प्रेम दिखाया।

2) यीशु उनसे क्या वायदा करते है जो वैसा करते है।

इसके बाद, भिन्न भिन्न लोगों से पूछे उन्होने क्या ढूंढा (इस प्रश्न का उत्तर चार पृष्ठ के नीचे है)

अपने हृदयों को जांचों गवाहों को आज्ञाकार करो और प्रभु भोज मनाओ। यीशु भोज के परिचय के लिए आप और एक सहयोगी 1 कुरिन्थियो 10:16-17 पढ़े। फिर व्याख्या करे कि हम यीशु के बदन में हिस्सा लेते हैं। प्रभु का वचन शरीर धारण कर हमारे बीच रहता है। वह बैतलहम में पैदा हुआ, जहाँ बोआज ने एक बार जो बोए थे। बैतलहम का अर्थ है "रोटी का घर"। यह वह जगह है जहाँ यीशु खून और मॉस बना, इसलिए वह हमारे लिए जीवन की रोटी बना।

परमेश्वर का वचन लगाओ। चुनाव!

चुनाव 1: दयालू सामरी: पुरूष और बच्चे लुका 10:25-37 तक कहानी का नाटक खेले। जवान चारों का पात्र कर सकते है जिन्होने यात्री पर हमला किया। एक पुरूष गधा बने।

चुनाव 2: मिस्टर परम्परागत: कोई एक परम्परा का पात्र करें। उससे पूछें की वह सामरी से सहमत है। उसका यह तर्क कि हम अपना समय यीशु के लिए आत्माएँ बचाने में लगाते हैं, न कि उसको सामाजिक काम में विनाश है। लोगों से कहो उसको जवाब दें। अगर वह शर्माते हैं तो अपने आप उसको सही कीजिए, अपने शब्दो में, यह बताते हुए कि यीशु ने हमें क्या करने को कहा।

चुनाव 3: भड़े और बकरियॉ भेड़ और बकरियों के दृष्टांत का नाटक प्रस्तुत करे जो मत्ति अध्याय 25:31-46 में पाया जाता है।

वर्णनकर्त्ता (पुरूष): वह वचन जो राजा, भेड़ और बकरियों ने नहीं कहे। पढ़े

राजा (पुरूष): राजा के वचन पढ़े या बोले।

भेड़ (बच्चे): भेड़ों ने जो वचन कहे, पढ़े या बोले।

बकरियां (बच्चे): बकरियों ने जो वचन कहे, पढ़े या बोले।

चुनाव 4: शैतान की धमकी का खण्डन करना। आप इस कविता को पढ़ने या बोलने के लिए दो पुरूषों को चुनें।

व्यक्ति : 1 दू:खी आवाज़ में:

दुष्ट आत्माओं को दुष्टता फैलना अच्छा लगता है।

इतनी कड़वाहट! लोग कैसी शिकायत करते हैं!

वे पैसों के लिए लालची की तरह झपटते हैं।

और स्वार्थी प्राप्ती के लिए अपनी आत्मा बेचते हैं।

व्यक्ति : 2 हर्षित दृढ आवाज़ में

दुष्ट आत्माओं को अपने जलते तीर लगाने दो,

जलन के अपनी कमान पर।

हमारी सेना दृढ़ है और टूटेगी नहीं।

हमारा विश्वास भयंकर मार में भी दृढ़ रह सकता है!

सप्ताह में होने वाली गतिविधियो की घोषणा करें। जिससे जरूरतमन्दो की सहायता हो सकें। आपके लोग पड़ोसियो और दोस्तों से पूछे अगर किसी को सहायता की जरूरत है। पूछे वह क्या करना चाहते है। यह फैसला करने में उनकी सहायता कीजिए कि कौन साथ काम करना चाहते है और कब। योजना पक्की बनाए।

दो या तीन मिलकर एक दुसरे की सहायता करें। प्रार्थना करे, योजना को पक्का करें तथा एक दुसरे को प्रोत्साहित करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net